Annexure-II

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
प्रसार शिक्षा निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

माननीय राज्यपाल महोदय के स्मार्ट विलेज पहल द्वारा अनुसूचित क्षेत्र (Scheduled Area) में आजीविका सुरक्षा अवसर

प्रस्तावित कार्य योजना 2021–22 (तृतीय चरण)

ग्राम	–	मदार व ब्राह्मणों की हुन्दर
ग्राम पंचायत	–	मदार
पंचायत समिति	–	बड़गांव
तहसील	–	गिर्वा
जिला	–	उदयपुर

आथिक सशक्तीकरण एवं जीवकोपार्जन सुरक्षा द्वारा जनजाति बहुल ग्राम को स्मार्ट गांव में विकसित करना

1. **मिशन वक्तव्य (Mission Statement):**
   - युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना
   - किसानों की आमदनी दूगुनी करना
   - उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाना
   - गुणवत्ता उत्पादन
   - नये बाजार तलाशना
   - जल संरक्षण
2. **उद्देश्य :**
   - आर्थिक रूप से व्यवहार्य समन्वित कृषि प्रणाली तकनीकों द्वारा आय एवं पोषण संवर्धन
   - उद्यमिता विकास एवं ज्ञान सशक्तिकरण द्वारा युवाओं को कृषि से जोड़कर रखना।
   - सूचना सरलीकरण एवं तकनीकी नवोन्मेषण द्वारा ग्रामीण परिवारों का सुदृढ़ीकरण
   - उत्पादकता विपणन कम्पनी के तहत स्वयं सहायता सिद्धान्त के कृषक समूहो को कृषक व्यवसाय केन्द्रों में संगठित करना।
   - ग्रामीण विकास हेतु अन्य विकासात्मक ऐजेंसियों की सहलग्नता।
3. **नवाचार**

- जैविक खेती प्रौद्योगिकीयां
- बीज गाँव
- सिंचाई की सूक्ष्म विधियां
- मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण खासकर महिलाओं हेतु
- फूलों की खेती
- मिठ्ठी मक्का, पॉपकार्न एवं बेबी कार्न की खेती
- गृह विज्ञान प्रौद्योगिकीयां
- समन्वित कृषि पद्धति प्रौद्योगिकीयां
- संसाधन संरक्षण तकनिकियां
- ई–नाम बाजार
- कृषक उत्पाद संघठन

4. मप्रकृप्रौविवि गतिविधियांः

- चयनित गांवों का बेंच मार्क सर्वेक्षण।
- पी.आर.ए. द्वारा प्रौद्योगिकीयों के मूल्यांकन की आवश्यकता।
- क्षेत्र विशेष कार्य योजना का गठन।
- किसानों व किसान महिलाओं के कृषि ज्ञान उन्नयन, उद्यमिता विकास और गैर कृषि रोजगारन्मूखी व्यावसायिक प्रशिक्षण।

5. क्षेत्र विशेष समन्वित कृषि प्रणाली प्रौद्योगिकीयां का विस्तारः

- मृदा और पानी के नमूनों का विश्लेषण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड।
- कम्पोस्टींग और वर्मीकम्पोस्टिंग।
- जैव उर्वरक और जैव एजेंटों का संवर्धन।
- संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियां।
- खरीफ एवं रबी फसलों की अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का परिचय।
- जायद फसलों के परिचय द्वारा फसल सघनता में वृद्धि
- चारा फसलों का परिचय।
- बगीचे की स्थापना (आम, अमरूद), पपीता इंटरक्रॉप के रूप में।

- देशी बेर पौधों का पुर्णमूल्यांकन
- सब्जियों के ऑफ सीजन नर्सरी।
- बेहतर सब्जियों और कंद फसलों की खेती।
- न्यूट्री उद्यान का परिचय।
- निजी एवं सामूदायिक भूमियों पर चारागाह विकास
- सामुदायिक भूमियों पर कृषि वानिकी का संवर्धन।
- सिरोही नस्ल बकरों द्वारा मौजूदा बकरी नस्ल में बकरी सुधार।
- कृत्रिम गर्भाधान तथा नस्लीय सांडों के द्वारा स्थानीय गाय एवं भैंस प्रजातियों का उन्नयन।
- घरेलु कुक्कुट उत्पादन हेतु प्रतापधन नस्ल का परिचय।
- पशुधन उत्पादन बढ़ाने हेतु खनिज लवण, नांद निर्माण तथा कुट्टी कटाई।
- चारे की उपलब्धता कराना।
- किराया केन्द्रों की स्थापना – बैल/ट्रैक्टर चलित कृषि यंत्रों तथा थकान कम करने वाले उपकरणों के परिचय द्वारा कृषि यंत्रीकरण।
- बॉयोगैस प्लांट, सोलर कुकर तथा सोलर ड्रायर की स्थापना द्वारा गैर परम्परागत ऊर्जा को बढ़ावा देना।
- अनाज भण्डारण पात्रों के प्रयोग द्वारा कटाई उपरान्त होने वाली हानि को कम करना।
- प्राथमिक प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, सब्जियों, कंदीय फसलें, दालें मछली इत्यादि कृषि उत्पदों का रासायनिक एवं सूक्ष्म जैविक गुणवत्ता परीक्षण।
- सर्वांगीण विकास हेतु बालकों की देखभाल को प्रोन्नत करने हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन।
- स्वास्थ्य, आरोग्य एवं स्वच्छता हेतु सामूहिक शिक्षा कार्यक्रम एवं अभियान।
- युवाओं एवं महिलाओं के लिये प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा।
- कृषक महिलाओं की श्रम साध्यता हेतु प्रशिक्षण।
- कुपोषण एवं आहार सम्बन्धी कठिनाईयों के निराकरण हेतु हस्तक्षेपण।
- घरेल व्यवसायों द्वारा महिला सशक्तिकरण।
- विपणन में नवाचारों का उपयोग करना, ई–नाम (e-NAM) के माध्यम से कृषि उपज की खरीद।

- कृषक व्यवसाय समूहों का गठन।
- चैंपियन किसानों की पहचान और तकनीकी सशक्तिकरण।

6. रणनीतिक योजना (Strategic Planning):

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के विभागों, अनुसंधान निदेशालय के अन्तर्गत संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की विभिन्न परियोजनाएं, एस.टी. – एस.सी.– एस.पी. कार्यक्रम तथा आई.सी.ए.आर. की विभिन्न संस्थाओं के टी.एस.पी. कार्यक्रम की प्रस्तावित गतिविधियां

5.1 समन्वित क्षमता विकास

5.1.1 जागरूकता प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	प्रशिक्षण संख्या	प्रतिभागी
	फसल उत्पादन		
1	मृदा नमूनों की जांच की उपयोगिता	01	50
2	वैज्ञानिक गेहूं उत्पादन तकनीक	02	120
3	वैज्ञानिक सरसों उत्पादन तकनीक	01	19
4	गेहूं में खरपतवार प्रबन्धन	01	50
5	रबी फसलों में समन्वित पोषण तत्व प्रबन्धन	01	50
6	मक्का की उन्नत खेती	01	50
7	मिठ्ठी मक्का एवं पॉप कार्न की उन्नत खेती	01	25
8	मक्का में फाल आर्मी कीट प्रबन्धन	02	100
9	अनाज एवं चारा ज्वार के उत्पादन पर तकनीकी प्रशिक्षण	02	50
10	मूंगफली में उन्नत बीज उत्पादन तकनीक	01	25
11	सूत्रकृमि प्रबन्धन	01	50
12	एजोला की खेती	01	25
13	वर्मीकम्पोस्टिंग के बारे में जागरूकता	02	100
14	कृषि में प्लास्टिक का उपयोग	01	25
15	बून्द –बून्द एवं फव्वारा विधि द्वारा सिंचाई	01	25
16	जल उत्पादकता में वृद्धि	01	25

क्र.सं.	विषय	प्रशिक्षण संख्या	प्रतिभागी
	उद्यानिकी फसलें		
1	आम, अमरूद व पपीते की खेती	01	50
2	पॉली हाऊस में सब्जी उत्पादन	01	25
3	जायद, वर्षा एवं सर्दी की सब्जीयों की खेती	03	75
4	ऑफ सीजन नर्सरी तैयार करना	01	25
5	रतालू पर मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण	01	25
6	शकरकंद पर मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण	01	25
7	फुलों की खेती	01	25
8	ढींगरी मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण	02	100
9	दूध छाता मशरूम उत्पादन	01	25
	पशुपालन		
1	उन्नत बकरी पालन	01	25
2	आंगन में मुर्गीपालन	02	50
3	बटैर पालन	01	25
4	खरगोश पालन	01	25
5	पशुओं में खनिज लवण उपयोग	01	50
	सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण		
1	पोषण वाटिका पर जागरूकता	02	60
2	न्यूनतम मूल्य पर पोषक उत्पाद	01	25
3	तिल और मूंगफली से बने सवंर्धित उत्पाद	01	25
4	आंवला के मूल्य वर्धित उत्पाद	01	25
5	सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने के लिए नुट्री या गार्डन के लिए सब्जी के पौधे का वितरण	01	25
6	मक्का का उपयोग करके उत्पादों की तैयारी	01	25

क्र.सं.	विषय	प्रशिक्षण संख्या	प्रतिभागी
7	स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन	01	25
8	कम लागत वाले पौष्टिक व्यंजनों की तैयारी	01	25
9	एनीमिया में आहार प्रबंधन	01	25
10	उपयोगिता किट बनाने पर प्रशिक्षण	01	25
11	मौसमी सब्जियों का संरक्षण और भंडारण	01	25
12	जीवन कौशल शिक्षा	01	25
13	स्वास्थ्य मूल्यांकन और उनकी शारीरिक फिटनेस	01	25
14	शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए प्रवाहकीय गृह पर्यावरण	01	25
15	गर्भवती माताओं के लिए भोजन	01	25
16	छोटे बच्चों का प्रभावी पालन–पोषण	01	25
17	स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए आहार	01	25
18	घरेलु गतिविधियों में कठिनाई और कठिनाई को कम करने के तरीके	01	25
19	ग्रामीण महिलाओं के लिए जागरूकता ''कैसे करें परिस्थितियों से मुकाबला''	01	25
20	थकान से जुडी गतिविधियाँ और कठिनाई को कम करने के तरीके	01	25
21	शिशु उत्तेजना – स्वास्थ्य और स्वच्छता	01	25
22	शिशु में इष्टतम विकास को बढ़ावा देना, ग्रामीण महिलाओं के लिए कानूनी जागरूकता	01	25
23	ग्रामीण बच्चों और किशोरों का शारीरिक और मानसिक–सामाजिक विकास	01	25
24	किसान उत्पादन संगठन पर जागरूकता	01	25
25	सुरक्षित अनाज भण्डारण	01	25

क्र.सं.	विषय	प्रशिक्षण संख्या	प्रतिभागी
26	शैक्षणिक पिछड़ापन	01	25
27	हर्बल गुलाल बनाना	01	25
28	सर्फ पाउडर बनाने/डिटर्जेंट	01	25
29	हस्त निर्मित कागज बनाने और कागज उत्पाद पर प्रशिक्षण	01	25
30	बाटिक मुद्रण/प्रिंटिंग पर प्रशिक्षण पी.पी.ई. और उनके उपयोग	01	25
31	हाथ के काम और गोटा पत्ती पर प्रशिक्षण	01	25
32	पारंपरिक तकनीक से उन्नत प्रौद्योगिकियों में परिवर्तन	01	25
33	हाथ से बनी ब्लॉक प्रिंटिंग पर प्रशिक्षण	01	25
34	स्टैंसिल प्रिंटिंग पर प्रशिक्षण	01	25
35	पर्स व बैग मेकिंग पर प्रशिक्षण	01	25
36	अक्षय ऊर्जा संसाधनों के बारे में जागरूकता	01	25

5.1.2 कौशल प्रशिक्षण

अ. विश्वविद्यालय संसाधनों द्वारा

क्र. सं.	विषय	प्रशिक्षण संख्या	प्रतिभागी
1.	जैविक खेती	01	25
2.	गुणवत्ता बीज उत्पादन	01	25
3.	मशरूम उत्पादन तकनीक	01	25
4.	नर्सरी प्रबन्धन	01	25
5.	हाईटेक उद्यानिकी	01	25
6.	जैव उर्वरक एवं जैविक फुलों की खेती	01	25
7.	मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण	01	25
8.	कृषि यंत्रीकरण – किराया केन्द्रों की स्थापना	01	25
9.	बकरी पालन	02	50

10.	मुर्गीपालन	02	50
11.	हर्बल गुलाल, सर्फपाउडर बनाना, हस्तनिर्मित कागज बनाना, बाटिक मुर्दण, हाथ के काम व गोटा पत्ती	01	25

ब. अन्य संस्थाओं के सहयोग से (आई.सी.आई.सी.आई.–आर.एस.ई.टी.आई., आर.एम.ओ.एल.) – गैर कृषि कार्य – राज मिस्त्री, ऑटोमोबाईल, मोबाईल रिपेयर, हास्पीटेलीटी आदि ।

5.1.3 प्रदर्शन

अ. फसल प्रदर्शन

1. गेंहूँ (राज. 4238) 24 हेक्टर – 120 कृषक
2. सरसों (डी.आर.एम.आर. – आई.जे. – 31) 3.1 हेक्टर – 19 कृषक
3. मक्का (प्रताप संकर मक्का – 3, प्रताप मक्का – 3, 5, 9) – 8 हेक्टर 40 कृषक
4. मिठ्ठी मक्का (माधुरी एवं शुगर 75) – 1 हेक्टर 5 कृषक
5. पॉपकोर्न मक्का (बी.एल. अम्बर) 1 हेक्टर – 5 कृषक
6. ज्वार (सी.एस.वी. – 23, प्रताप चरी – 1080) 4 हेक्टर – 20 कृषक
7. मूंगफली (प्रताप मूंगफली – 2, प्रतापराज मूंगफली (यू.जी.–5) 1 हेक्टर – 05 कृषक
8. जैविक खेतीः सभी तरह की कम्पोस्ट विधियां – 10 कृषक
9. गोद गांव के लिये वॉटर बजटिंग करना
10. पीने और सिंचाई के लिये भू–जल की गुणवत्ता का परीक्षण करना

ब. जैव उर्वरक

1. एजोटो बैक्टर 240 पैकेट – 120 कृषक (गेंहूँ)
2. पी.एस.बी. 240 पैकेट – 120 कृषक (गेंहूँ)
3. तरल एन.पी.के. 50 बोतल (100 मिली) – 50 कृषक
4. जैव नियंत्रण – जैविक रसायनों से जैव नियंत्रण – 20 कृषक परिवार
5. बॉयो एजेन्ट – टाईकोडर्मा/टाईको कार्ड – 20 कृषक परिवार
6. जैव नियंत्रण विधियों का प्रदर्शन (फेरामेन ट्रेप, येलोट्रेप कार्ड) – 20 कृषक परिवार

स. उद्यानिकी फसलें

1. फलदार बगीचे (आम, अमरूद, पपीता) – 30 कृषक (25 पौधे प्रति किसान)

- अमरूद (श्वेता, ललित, इलाहबाद सफेदा, एल–49) – 350 पौधे
- पपीता (हनीड्यू) – 175

2. सब्जी की पौध (जायद, वर्षा एवं रबी की फसलें)

- टमाटर में जैव नियंत्रण – 20 कृषक
- पालक (ऑल ग्रीन) 2.4 हेक्टर – 24 कृषक
- शकरकंद – 500 कटिंग – 20 कृषक
- रतालु – 20 किलों प्रति कृषक – 10 कृषक
- अरबी – 10 किलो प्रति कृषक – 10 कृषक
- सुरण – 10 किलो प्रति कृषक – 10 कृषक

3. फूलों की खेती

- ग्लेड्यूलस बल्ब (400 बल्ब) – 03 कृषक
- गुलाब की खेती – 02 कृषक
- गेंदे की खेती – 02 कृषक
- गुलदावदी की खेती – 02 कृषक

4. मशीन प्रदर्शन

- मक्का डि–हस्कर शैलर
- मल्टी परपज फूड प्रोसेसिंग मशीन (अमरूद, नींबू, नारंगी, आंवला, ग्वार पाठा इत्यादि)
- अनाज सफाई ग्रेडिंग मशीन
- अदरक, हल्दी, प्याज, सीताफल प्रसंस्करण मशीन
- पावर वीडर
- मल्टीक्रॉप थ्रेसर
- किसानों द्वारा वांछित विशिष्ट मशीनरी

5. स्प्रे मशीन – 70 मशीन
6. अनाज भण्डारण कोठीयां (2 क्वि. स्टील) – 50 कृषक
7. प्लास्टिक दूध केन (10 लीटर) – 50 कृषक

8. मूंगफली छिलक यंत्र – 05

9. मशरूम प्रदर्शन

- ढ़ींगरी मशरूम – 25 कृषक
- दूध छाता मशरूम – 25 कृषक
- **मशरूम उत्पादन आदान –** 25 कृषक (ड्रम – 100 लीटर, बाल्टी – 15 लीटर, झारा–5 लीटर तथा स्प्रेयर – 1 लीटर, मशरूम बीज – 1 किलो, नुवान–50 मिली, फार्मलीन – 500 मिली, बाविस्टीन–20 ग्राम, थैलियां–12 रबर बैंड–12 आदि)

10. पशु उत्पादन

- आंगन में मुर्गीपालन (प्रतापधन) – 50 इकाई (20 चुजे प्रति इकाई)
- सिरोही नस्ल बकरी इकाई – 25 इकाई (2 बकरी प्रति इकाई)
- खनिज लवण प्रदर्शन – 50 पशु (2 दुधारू पशु प्रत्येक परिवार)
- एजोला इकाई – 10 इकाई
- वर्मीकम्पोस्ट इकाई – 25 इकाई
- खरगोश इकाई – 02 इकाई
- बटैर इकाई – 02 इकाई

11. सामूदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रदर्शन

- पौषण वाटिका – 20
- सुरक्षात्मक वस्त्र – 20
- सब्जीयों का र्निजलीकरण – 20
- प्रताप लोह भरपूर उत्पाद – 20
- दोहरा घरना – 20
- निरोग आटा – 20
- खेल एवं खेल सामग्री किट – 20
- श्रम कम करने वाले साधन – 20 (मक्का शेलर, कटाई बैग, भिण्डी तुडाई यंत्र)
- हर्बल गुलाल बनाना – 20
- मास्क, ग्लवस व ब्लॉक प्रिंटिंग – 20

- वर्मीकम्पोस्ट इकाईयां – 05
- सौर चूल्हा – 05
- उन्नत चूल्हा – 20

12. ग्रामीण मौसम केन्द्र की स्थापना
13. किराया (कृषि यंत्र) केन्द्र की स्थापना

7. अभियान एवं विशेष दिवस उत्सव :

6.1 विश्वविद्यालय की विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा एन.एस.एस. विद्यार्थियों द्वारा स्वास्थय, स्वच्छता, पौषण, वृक्षारोपण आदि आयोजित शिविर – 06 प्रति वर्ष

6.2 सामूदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों का 2 माह का RAWE प्रशिक्षण – गांव – मदार, उदयपूर

6.3 विशेष दिवस

- अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस – 01 अक्टूबर, 2021
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस – 10 अक्टूबर, 2021
- विश्व दिव्यांग दिवस – 03 दिसम्बर, 2021
- विश्व परिवार दिवस – 01 जनवरी, 2022
- विश्व एकता दिवस – 12 जनवरी, 2022
- विश्व खुशहाली दिवस – 20 मार्च, 2021
- विश्व स्वास्थ्य दिवस – 07 अप्रैल, 2021

8. सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र संगठन के लाइन विभागों, एन.जी.ओ., सी.एस.आर. गतिविधियों के साथ अभिसरण में गतिविधियां।

- गैर–कृषि व्यवसायों पर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण – आर.एस.एल.डी.सी., आई.सी.आई.सी.आई. –आर.एस.ई.टी.आई., वन विभाग, सी.एम.एफ.

9. विकास गतिविधियों के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के प्रयास किए जायेगें।

क्र.सं.	विभाग	कार्य
1.	कृषि विभाग	परम्परागत खेती ब्लॉक चयन
2.	उद्यानिकी विभाग	फलदार पौधों व सब्जी उत्पादन

3.	जनजातीय क्षेत्र विकास	परियोजना कार्य हेतु
4.	पशुपालन	पशु चिकित्सा एवं टीकाकरण शिविर
5.	वॉटरशेड विकास	जल ग्रहण कार्य हेतु
6.	आई.सी.डी.एस.	आंगनवाड़ी कार्यक्रम
7.	चिकित्सा और स्वास्थ्य	स्वास्थ्य शिविर
8.	वन विभाग	पंचायत भूमि पर चारागाह विकास एवं वृक्षारोपण
9.	बिजली बोर्ड (ए.वी.वी.एन.एल)	ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु
10.	सिंचाई	उपसतही जल संरक्षण संरचना निर्माण हेतु
11.	ग्रामीण विकास	नरेगा कार्य
12.	राजीविका	स्वयं सहायता समूह के सुदृढ़ीकरण करने हेतु
13.	नेहरू युवा केन्द्र	युवा पशिक्षण
14.	एन.जी.ओ. एफ.ई.एस., सी.एम. एफ.	पारिस्थितिक स्थिरता एवं आजीविका सुरक्षा गतिविधियों हेतु

10. रिर्सोस जनरेशन :

1. विभिन्न संस्थाओं को प्रस्ताव भेज
2. एम.पी. लेड, एम.एल.ए. लेड फण्ड द्वारा नरेगा के तहत् गांवों में विकास कार्य।
3. विभिन्न कम्पनीयों, राजकीय प्रतिष्ठानों आदि के सी.एस.आर. फण्ड के तहत् विकास कार्य।

डॉ. आई.जे. माथूर
समन्वयक – एटीक

डॉ. एस.के. इन्टोडिया
नोड्ल अधिकारी